## इन्फर्मेशन टेक्नॉलॉजी (आईटी) में करियर

आईटी वर्ल्ड में तमाम तरह के कार्य होते हैं। यहां सैलॅरी भी अच्छी है। यही वजह है कि युवाओं के बीच इस तरह के कोर्सों का जबर्दस्त क्रेज है। इस समय, जबकि बारहवीं की परीक्षाएं समाप्त हो गई हैं, छात्रों के सामने अभी से आईटी दुनिया में प्रवेश करने का अच्छा अवसर है। आईटी वर्ल्ड के किन-किन प्रमुख क्षेत्रों में स्किल्ड मैन पॉवर की जरूरत है, जॉब मार्केट में आज भी यह सेक्टर हॉट बना हुआ है।

★ **12वीं के बाद एंट्री**

ऐसा नहीं है कि आईटी सेक्टर में केवल उच्च योग्यता (जैसे-आईटी या सीएस में बीटेक, बीसीए या एमसीए आदि) वाले लोगों की ही जरूरत है। इस सेक्टर में 12वीं के बाद भी डेढ़ से दो साल का जॉब-ओरिएंटेड कोर्स (खासकर हार्डवेयर-नेटवर्किंग से संबंधित) करके प्रवेश पाया जा सकता है।

★ **सॉफ्टवेयर डेवलॅपमेंट**

यह आईटी सेक्टर का सबसे प्रमुख कार्य है। दुनिया का कोई भी कम्प्यूटर विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर्स की मदद से ही चलता है। सॉफ्टवेयर बनाने और डेवलॅप करने का कार्य सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स और प्रोग्रामर्स करते हैं। इनका प्रमुख कार्य विभिन्ना लैंग्वेजेज में सॉफ्टवेयर डेवलॅप करना होता है। दरअसल, सॉफ्टवेयर दो तरह के होते हैं-ऐप्लिकेशन सॉफ्टवेयर और सिस्टम सॉफ्टवेयर। इनकी मदद से ही कई तरह के प्रोग्रामिंग लैंग्वेज तैयार किए जाते हैं, जिनका इस्तेमाल दुनिया भर की तमाम कंपनियां करती हैं। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि सॉफ्टवेयर डेवलॅपमेंट के लिए नॉलेज को हर समय अपडेट करते रहने की जरूरत होती है। इसके अलावा प्रमुख प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज, जैसे-सी, सी++, जावा, विजुअल बेसिक आदि में विषेषज्ञता भी हासिल करनी होती है।

★ **सिस्टम एनालिस्ट**

सिस्टम एनालिस्ट कम्प्यूटर डेवलॅप करने की योजना बनाते हैं। यदि आप सिस्टम एनालिस्ट के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको हर तरह के सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर की जानकारी रखनी होगी और इसे नियमित रूप से अपडेट भी करते रहना होगा। सिस्टम एनालिस्ट ग्राहकों की बिजनेस जरूरतों को समझते हुए भी सिस्टम तैयार करने में कुशल होते हैं।

★ **सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर**

इनका मुख्य काम कनेक्टिविटी और इंटरनेट की सुविधा प्रदान करना होता है। आईटी सेक्टर में नेटवर्किंग काफी महत्वपूर्ण होता है। इसके माध्यम (लैन, वैन या मैन के माध्यम से) से कम्प्यूटर एक-दूसरे से जुड़े होते हैं और एक कम्प्यूटर का डाटा सर्वर के माध्यम से दूसरे कम्प्यूटर में देखा और ट्रांसफर किया जा सकता है। यही कारण है कि आज हर छोटे-बड़े संस्थान में कम्प्यूटर नेटवर्किंग के लिए सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर की जरूरत होती है। हालांकि इस फील्ड में काम करने वालों को सिस्टम सिक्योरिटी के साथ-साथ नेटवर्किंग सिक्युरिटी का भी ध्यान रखना होता है। इसके अलावा, आप इस फील्ड में कैड स्पेशलिस्ट, सिस्टम आर्किटेक्ट, विजुॲल डिजाइनर, एचटीएमएल प्रोग्रामर, डोमेन स्पेशलिस्ट, इंफॉर्मेशन सिक्युरिटी एक्सपर्ट, इंटीग्रेशन स्पेशलिस्ट, कम्युनिकेशन इंजीनियर, सेमीकंडक्टर स्पेशलिस्ट आदि के रूप में भी काम कर सकते हैं।

★ **डाटा बेस**

डाटा बेस के अंतर्गत डाटा को इस प्रकार स्टोर किया जाता है, ताकि जरूरत पड़ने पर इन्हें आसानी से इस्तेमाल एवं अपडेट किया जा सके। किसी भी कंपनी के लिए उसका डाटा काफी महत्वपूर्ण होता है। इसे देखते हुए डाटा बेस प्रोफेशनल्स की मांग भी बहुत ज्यादा है।

★ **हार्डवेयर**

कम्प्यूटर के लिए जितना जरूरी सॉफ्टवेयर है, उतना ही जरूरी हार्डवेयर भी है। हार्डवेयर का मतलब होता है कम्प्यूटर की सारी मशीनरी। इसमें सीपीयू, मदरबोर्ड, हार्डडिस्क से लेकर अन्य सभी चीजें आ जाती हैं। हार्डवेयर इंजीनियरिंग कम्प्यूटरों को चुस्त-दुरुस्त रखने में माहिर होते हैं।

★ **क्या करें आप**

आप अपनी योग्यता, रुचि, क्षमता और जरूरत के मुताबिक सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर में कोई भी फील्ड चुन सकते हैं। लेकिन यदि आप सॉफ्टवेयर का फील्ड चुनते हैं, तो आपको इसमें उच्च योग्यता हासिल करनी होगी, जबकि हार्डवेयर का क्षेत्र चुनने पर आप महज डेढ़-दो साल की क्लास और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग लेकर जॉब मार्केट में एंट्री पा सकते हैं।

➢ **ग्रेजुएट लेवॅल कोर्स:** इस लेवॅल पर प्रमुख कोर्स इस प्रकार हैं-बीटेक, बीसीए, बीएससी आदि। बीटेक (आईटी, सीएस आदि) चार वर्षीय कोर्स है, जो आईआईटी तथा अन्य इंजीनियंरिंग कॉलेजों में चलाया जाता है। इसमें बारहवीं (पीसीएम) के बाद एंट्रेंस के माध्यम से प्रवेश मिलता है। इसके अलावा, बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन यानी बीसीए और बीएससी (आईटी या कम्प्यूटर सांइस) तीन वर्षीय कोर्स हैं और कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में उपलब्ध हैं।

➢ **पोस्ट-ग्रेजुएट कोर्स:** इसमें एमटेक, तीन वर्षीय मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन यानी एमसीए का फुलटाइम कोर्स होता है। छात्रों को एक बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि बीसीए या एमसीए उसी संस्थान से करें, जिसे ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन यानी एआईसीटीई से मान्यता हासिल हो।

➢ **हार्डवेयर-नेटवर्किंग कोर्स :** आजकल हर छोटे-बड़े ऑफिस में कम्प्यूटर की अनिवार्यता को देखते हुए हार्डवेयर-नेटवर्किंग एक्सपर्ट्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। यह कोर्स सरकारी संस्थानों के अलावा बड़ी संख्या में निजी संस्थाओं द्वारा कराया जा रहा है। इस तरह के कोर्सों में कम्प्यूटर असेंबल करने, रिपेयर करने एवं खराब उपकरणों को बदलने या उन्हें ठीक करने की ट्रेनिंग दी जाती है।

★ **प्रमुख संस्थान**

➢ ए-सेट कम्प्यूटर ट्रेनिंग ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
➢ आईएचटी, नई दिल्ली
➢ एप्टेक कम्प्यूटर एजुकेशन, साउथ एक्सटेंशन, नई दिल्ली
➢ जीटी कम्प्यूटर हार्डवेयर इंजीनियरिंग कॉलेज, हिसार,
➢ आईआईएचटी, रोहतक
➢ जेटकिंग, रोहतक

★ **अधिक जानकारी के लिए आप निम्न साइट्स पर विजिट कर सकते हैं...**

- http://www.iiit.ac.in International Institute of Information Technology, Hyderabad
- http://www.iiit-bh.ac.in International Institute of Information Technology (IIT), Bhubaneswar
- http://www.iiita.ac.in Indian Institute of Information Technology, Allahabad (IIITA)
- http://www.iiitm.ac.in Indian Institute of Information Technology and Management (IIITM), Gwalior
- http://www.iiitb.ac.in Indian Institute of Information Technology, Bangalore (IIIT-B)
- http://www.iiitdm.ac.in Indian Institute of Information Technology, Design and Manufacturing (IIITD & M), Kancheepuram, Tamilnadu
- http://www.iiitdmj.ac.in Indian Institute of Information Technology, Jabalpur